Today's Poem – 25.06.2014

बाप है सुख, शान्ति, प्रेम का सागर

बनाते सबको रत्नागर

सारा ख़ज़ाना वह हमें विल करते

हमें कौड़ी से हीरे जैसा बना देते

योग के बिना ख़ज़ाना नहीं मिल सकता

जो की २१ जन्मों तक नहीं खुटता

ऊँच पद पाने के लिए पूरा फ़ालो फादर करना

सब कुछ बाप के हवाले कर ट्रस्टी हो सम्भालना, पूरा वारी जाना

खान-पान, रहन सहन बीच का साधारण रखना-

बाप ने जो खज़ाने दिए हैं, उसे दूसरों को भी देना, कल्याणकारी बनना

देह-भान को देही-अभिमानी स्थिति में परिवर्तन कर देना

यही है बेहद का वैरागी बनना

बी पॉजिटिव थिंक पॉजिटिव

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!